

मुहा. नीयत डिगना/नीयत बिगड़ना/नीयत में खोट आना- बेईमान हो जाना, मन में लालच हो जाना।

नीर पुं. (तत्.) जल, पानी।

नीर-क्षीर पुं. (तत्.) दूध और पानी।

नीरक्षीर-विवेक पुं. (तत्.) 1. दूध और पानी के मिश्रण में से उन्हें पृथक् करने का गुण जैसे- हंस का नीर-क्षीर विवेक प्रसिद्ध है 2. सत्-असत्, न्याय-अन्याय, उपयोगी-अनुपयोगी, अच्छा बुरा आदि में अंतर कर पाने की शक्ति या सामर्थ्य।

नीरज वि. (तत्.) 1. जल से उत्पन्न होने वाला, पुं. 2. कमल 3. मोती।

नीरद वि. (तत्.) 1. जल देने वाला मेघ, बादल 2. दंत विहीन, जिसके दाँत न हों।

नीरधर पुं. (तत्.) जलधर, मेघ, बादल।

नीरधि पुं. (तत्.) जलधि, समुद्र।

नीरनिधि पुं. (तत्.) जलनिधि, समुद्र।

नीरपति पुं. (तत्.) जल का स्वामी, वरुण देवता।

नीररुह पुं. (तत्.) पद्म, कमल।

नीरव वि. (तत्.) 1. ध्वनि विहीन, निःशब्द 2. मौन, चुप, शांत।

नीरस वि. (तत्.) 1. रसरहित जैसे- नीरस फल, नीरस काव्य 2. फीका, स्वादहीन जैसे- नीरस भोजन 3. आकर्षण अथवा रोचकता से रहित जैसे- नीरस कार्यक्रम 4. शुष्क, सूखा जैसे- नीरस तरुवर 5. सौंदर्य-बोध की वृत्ति के अभाव वाला, नीरस पाठक, नीरस आलोचक।

नीरसता स्त्री. (तत्.) शिक्षा. 1. एकरसता, विरसता, ऊब, उकताहट 2. साहि. फीकापन, शुष्कता।

नीरा पुं. (तत्.) ताड़ वृक्ष के फलवाले कच्चे भाग को थोड़ा काट देने पर रिसने वाला रस, जिसे वृक्ष के साथ पात्र लगाकर एकत्र किया जाता है यह रस स्वादिष्ट तथा लाभप्रद साथ ही मादक

भी होता है, इसका गुड़ भी बनाया जाता है क्रि.वि. (देश.) नियर, नियरे, समीप, पास।

नीराजन पुं. (तत्.) 1. देवी, देवताओं की दीपकों से पूजा करने का ढंग, आरती 2. अस्त्र-शस्त्रों को साफ करके चमकाने का कार्य वि. नीराजन द्वादशी (कार्तिक शुक्ल द्वादशी) को भगवान विष्णु का तथा नीराजन नवमी (कार्तिक कृष्ण नवमी) को दुर्गा/पार्वती का दीपों से नीराजन किया जाता है।

नीराजना स्त्री. (तत्.) आरती दे. नीराजन।

नीराजनी स्त्री. (तत्.) 1. आरती करने का पात्र (दीपपात्र) 2. आरती।

नीरुज वि. (तत्.) रोग-रहित, नीरोग।

नीरूप वि. (तत्.) रूपरहित, आकृति विहीन।

नीरोग वि. (तत्.) रोग-रहित, स्वस्थ।

नीरोगिता स्त्री. (तत्.) रोग रहित होने की अवस्था।

नीरोगी वि. (तत्.) दे. नीरोग।

नील पुं. (तत्.) 1. नीला रंग 2. रसा. बेंगनी नीला रंग जो इंडिगोफेरा नामक पौधे से निकाला जाता है, अब उसका रासायनिक संश्लेषण भी हो रहा है, इंडिगो 3. इंडिगोफेरा नाम का पौधा जिससे नीला रंग निकाला जाता है 4. कलंक, लांछन 5. नीलम नामक रत्न, इंद्रनील मणि 6. शरीर पर चोट लगने से पड़ने वाला निशान 7. बरगद का पेड़, वट-वृक्ष 8. विष, जहर 9. 10 हजार अरब की संख्या 10. पुराणों में से एक, कुबेर की एक निधि 11. साहि. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में पाँच भगण और एक गुरु होता है वि. 2. नीले रंग का, नीला।

नीलकंठ वि. (तत्.) नीले कंठ वाला पुं. 1. एक चटक रंग वाला पक्षी जिसका कंठ हल्का नीला-भूरा, पंख फिरोजी तथा गहरे नीले और पैर बादामी वर्ण के होते हैं, आश्विन मास की शुक्ल पक्ष की दशमी (दशहरा) को इसका दर्शन शुभ माना जाता है 2. शिव, महादेव, समुद्र मंथन से निकले विष का पान करने से उनका कंठ नीला